



गणपत्र नमन

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 162]
No. 162]नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 17, 1978/भावण 26, 1900
NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 17, 1978/SAKAVANA 26, 1900

इस भाग में भिन्न पट्ट संलग्न की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 1978

नियंत्रित व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 54 आई.टी.०.पी.०.एन.०/७८

नियंत्रण : स्वर्ण आभूषणों का नियंत्रण

स्वर्ण आभूषणों के नियंत्रण से सम्बन्धित वाणिज्य विभाग के नियंत्रण, (नियंत्रण) आदेश सं. ५०सी.००, १९७७/ए.एम.(६७) दिनांक १७ अगस्त १९७८ की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

२ स्वर्ण आभूषणों के नियंत्रण की प्रतिपत्ति सम्बन्धित लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सूचना सं. ५९-आई.टी.०.पी.० (पी.एन.)/७८ दिनांक १७ अगस्त, १९७८ के अन्तर्गत अधिसूचित "स्वर्ण आभूषण नियंत्रण प्रतिपूर्ति योजना" की अवस्थाओं के अनुसार पोत परिवहन विल प्लॉर लाइसेंस सम्बन्धी पृष्ठों करने के बाद दी जाएगी।

३. उपर्युक्तनुसार नियंत्रण लाइसेंस के लिए आवेदक को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित सूचना में जाहिए—

१. रस्त नामा आभूषण नियंत्रण सर्वश्रेष्ठ परिषद द्वारा आवेदक को जारी किए गए प्रोफरेंस प्रमाण-पत्र की संख्या और दिनांक १ (यह इस योजना के पैरा ३ में उल्लिखित मामलों के लिए लागू नहीं होगा),
२. स्वर्ण नियंत्रण कानून के अन्तर्गत आवेदक द्वारा लिए गए व्यापारी के लाइसेंस की संख्या और दिनांक और
३. मुद्र्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण नई दिल्ली द्वारा आवेदक को जारी किए गए नियंत्रण सर्वन प्रमाण-पत्र की संख्या और दिनांक।

(यह योजना के पैरा २(३) में उल्लिखित मामलों के लिए लागू होगा।)

इस के साथ निम्नलिखित घोषणा भी की जाएगी :

"मैं/हम एसबड़ारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि वे पञ्चीकरण प्रमाण पत्र/व्यापारी का लाइसेंस/नियंत्रण सर्वन प्रमाण पत्र जिस के प्राधार पर आवेदन किया गया है, वैध है और वे सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा रद्द नहीं किए गए हैं या बापस नहीं तिहँ गए हैं या उन्हें अन्यथा रूप से अवैध नहीं किया गया है।"

[मिसिल सं. २१/४/७८-८]

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & COOPERATION

(Department of Commerce)

New Delhi, 17th August, 1978

EXPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 54-ETC (PN)/78

Subject :—Export of Gold Jewellery.

Attention is invited to the Department of Commerce, Exports (Control) Order No. ECO 1977/AM(67) dated the 17th August 1978, regarding export of Gold Jewellery.

2. Export of Gold Jewellery will be allowed by the concerned licensing authorities by licensing endorsement on the Shipping Bill, in accordance with the provisions of the "Gold Jewellery Export Replenishment Scheme" notified under Department of Commerce Public Notice No. 59 -ITC (PN)/78 dated the 17th August, 1978.

3. Along with his application for an export licence as above the applicant should furnish :

- Number and date of the Registration Certificate issued to the applicant by the Gem and Jewellery Export Promotion Council. (This will not apply to cases of the type referred to in para 3 of this Scheme).
- Number and date of the Dealer's licence held by the applicant under the Gold Control Law, and
- Number and date of the Export House Certificate issued to the applicant by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi. (This will apply to the cases referred to in para 2 (iii) of the Scheme.).

together with a declaration as under :

"I/We hereby declare that the Registration Certificate/ Dealer's licence/Export House Certificate, on the basis of which the application is made, are valid and have not been cancelled or withdrawn or otherwise made invalid by the concerned Authority."

[File No. 21/4/78-E. I]

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना संख्या-59-ग्राही टी० सी० (पीएन) /78

विषय: स्वर्ण आभूषण नियात प्रति योजना

स्वर्ण आभूषण नियात प्रतिपूर्ति योजना का व्यौरा इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दिया गया है।

2. इस योजना के अन्तर्गत नियात लाइसेंसों के लिए आवेदनपत्र (जहाजरानी बिलों पर लाइसेंस पृष्ठांकन द्वारा) सम्बन्धित लाइसेंस प्राधिकरण द्वारा 21 अगस्त, 1978 से प्राप्त किए जाएंगे।

का० वै० शेषाद्रि,
मुद्र्य नियंत्रक, आयात-नियात
मिमिल संख्या -4/12/78/ई०पी०सी०

वाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सूचना सं० 59-ग्राही टी० सी० (पीएन) /78
दिनांक 17-8-1978 के लिए परिणिष्ट

स्वर्ण आभूषण नियात प्रतिपूर्ति योजना :

योजना का क्षेत्र—नियात के लिए अनुमेय आभूषणों की मदे 0.5833 से कम सोने की शुद्धता के बने हुए आभूषण तक सीमित होनी चाहिए और इसमें जटिल आभूषण शामिल नहीं किए जाएंगे। न्यूनतम सोने की मात्रा 14 कैरेट होगी।

(यह भी नोट कर निया जाए कि जटिल आभूषणों का नियात 1978-79 की आयात नीति के परिणिष्ट 17 की तरफ स० पी०-४ के अन्तर्गत एक पृष्ठक योजना के द्वारा जिसमें साना और छोटी नहीं, चुनिन्दा मदों की आयात प्रतिपूर्ति के अन्तर्गत पहले से ही शामिल है।)

2. यह योजना स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम के अन्तर्गत वैध व्यापारी लाइसेंस के धारकों की निम्नलिखित श्रेणियों के व्यक्तियों तक सीमित होगा:—

- रत्न और आभूषण संबंधित परिषद द्वारा जारी किए गए वैध पंजीकरण प्रमाण-पत्र के धारक पंजीकृत नियातक,
- प्रमाणित स्वर्णकारों की सहकारी समितियां, और

(3) सुख्य नियंत्रक, आयात-नियात, नई विली द्वारा जारी किए गए नियात सदन प्रमाण-पत्र के धारक सरकार के स्वामित्व वाले या उसके द्वारा नियंत्रित नियम।

3. इन योजना में प्रथमत भाग नेते के लिए उपर्युक्त श्रेणी (2) के लिए रत्न और आभूषण संबंधित परिषद की सहमति को पहले से ही कोई आवश्यक शर्त नहीं होनी लेकिन उन्हें प्रयत्न नियात की तिथि से तीन मास की अवधि के भीतर उनके परिषद का सदम्य बन जाना चाहिए।

4. भारतीय मानक संस्थान को प्रमाणात् योजना के अन्तर्गत रत्न और आभूषण नियात संबंधित परिषद अपने सदस्यों के पहचान चिन्हों का यदि काई हो तो विवरण रखेगा। ऐसका अगले आवेदन होने तक इन सदस्यों का प्रमाणात् योजना का प्रत्युत्तरण करना बाध्यकार नहीं होगा।

5. यह योजना इसके प्रत्युत्तर किए गए नियातों के मदे शुद्ध सोने को प्रतिपूर्ति के लिए मात्रा/मूल्य को उम सोना तक के लिए अवक्षय प्रशान करते हैं जो इसके अन्तर्गत प्रत्युत्तरण है। रिहाई आदेश के धारकों को जिस स्थान पर और जिस मूल्य पर सोना बेचा जाएगा सरकार उसे समय-समय पर अलग से प्रधिसूचित करेगी। ऐसी प्रतिपूर्ति का प्रबन्ध भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से ही किया जाएगा।

6. यह योजना उन नियातों तक सीमित होगी जो प्रतिवर्तीनीय सावधान अथवा नाव में सुपुर्वगी के आधार पर आवेदनों के मदे किए जाएंगे। वस्तविकों का आदान-प्रदान केवल विदेशी मूदा में प्राधिकृत व्यापारियों के माध्यम से ही किया जाना चाहिए। प्रत्येक नियंत्रित आवेदन में अन्य व्योरों के साथ-साथ निम्नलिखित का स्पष्ट रूप से निर्देश होगा:—

- सविदा के लिए मद (दो) का विवरण;
- प्रत्येक मद का बजेत;
- प्रत्येक मद बनाने के लिए उत्तरीय में लाए गए सोने की शुद्धता और
- उनका मूल्य।

इस आदेश में समुदायार के एक ही द्वारोदार का नाम होना चाहिए। यद्यपि इसमें नियात के एक से प्रधिक मद सामिल हो सकते हैं।

7. सोने की प्रतिपूर्ति के उद्देश्य के लिए और इस योजना के अन्तर्गत किए गए नियात के सम्बन्ध में शुद्ध सोने को मात्रा के जोड़े गए मूल्य पर 33-1/3 प्रतिशत का न्यूनतम मूल्य के लिए दिया जाएगा। जोड़े गए मूल्य की गणना उपर्युक्त कठिका 5 के अन्तर्गत अधिपूर्ति कीमत पर नियातित आभूषण में शुद्ध सोने की मात्रा के मूल्य को छान में रखते हुए की जाएंगे और यह उस तारोब को लागू होगी जिस तारोब की यह मूल्य नीचे के पैरा 13 के अन्तर्गत लाइसेंस प्राधिकृतियों द्वारा सम्बद्ध जहाजरानी बिल पर पृष्ठांकन किया जाता है और यह नियात को जाने वाली मदों के जहाज पर्यात्न निःशुल्क कीमत के लिए होगी। उदाहरण के लिए यदि जहाज पर्यात्न निःशुल्क कीमत 100 रु है तो शुद्ध सोने का मूल्य 75 रु या इससे कम होना चाहिए।

8. विदेशी मूदा में प्राधिकृत व्यापारी के माध्यम से नियात लाभ की विदेशी मूदा में उगाही के बाद ही सोने की प्रतिपूर्ति की हक्कारी का प्रश्न उठेगा।

9. योजना के अधीन सीमानुल्क सदन बन्धवी/कलकत्ता/मद्रासा/विली के माध्यम से केवल हवाई भाड़े के जरूरी प्रत्युत्तर दी जाएंगी।

10. योजना के प्रधीन किए गए नियात अन्य किसी प्रान्ताधान के लिए पात्र नहीं होंगे।

नियात की विधि एवं उसका नियन्त्रण . . .

11. पात्र नियातक को जाहिए कि वे इसके अनुशंश के अनुसार सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी की निर्धारित प्रपत्र में जहाजरानी बिलों पर पृष्ठांकन के लिए आवेदन करें। आवेदन-पत्र के साथ उपर्युक्त पैरा 6 में

उल्लिखित नियांस आवेदन की सत्यापित प्रति सलग्न होता रहा है। जहाँ की गई सविवाक का मूल्य, लागत-सीमा भाड़ा मूल्य पर आधारित हो, वहाँ आवेदन को नियांत के लिए आवेदन-पत्र में उसका अनुचित जटाज पर्यावर्त नियुक्त मूल्य भी घोषित करता चाहिए। (म्बग) का प्रतिपत्ति के लिए केवल उसके जटाज पर्यावर्त नियुक्त मूल्य पर विचार किया जाएगा।

12 पीले परिवहन विलों में अन वाटा के पाय गार वज्रा और नियांत किए जाने वाली प्रत्येक मद में प्रयुक्त सोने का शुद्धा के बारे में नियांतक की घोषणा और नियांत किए जाने वाली मदों का मूल्य होता चाहिए। पीले परिवहन विल को एक लारु प्रांत भी होने चाहिए।

13 लाइसेंस प्राधिकारी का उपर्युक्त दैता 7 में विवरित किए गए के अनुसार जोड़े गए नियन्तम मूल्य के बारे में स्वयं सन्तुष्ट होने पर नियांत की अनुमति देने के लिए वान परिवहन विल पर पृष्ठांकित करेगा, यदि आवेदनपत्र अन्यथा रुप से सही पाया जाए।

14 यशा पृष्ठांकित प्रयेक पान परिवहन विल केवल उस स्थान पर स्थिति सोमा शुक्र कार्यालय के माध्यम से नियांत करने के लिए बैठ होगा जहाँ पृष्ठांकित करने वाला लाइसेंस कार्यालय स्थित है, और वह पृष्ठांकित की स्थिति से 7 दिन की अवधि के लिए बैठ है किन्तु पृष्ठांकित की नियांत इस में शामिल नहीं है।

(ऐसी स्थिति में जहाँ उपर्युक्त बैठना अवधि के दौरान नियांतक नियांत करने में असमर्थ है, सो वह नए मिरे में आवेदन कर सकता है, योजना के अन्तर्गत बैठता बृद्धि के लिए कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा)।

15 नियांत करने समय, नियांतक, सम्बन्धित सीमा शुल्क प्राधिकारी के सामने, पीले परिवहन विल, सम्बन्धित बीजक को जीन प्रतियों के साथ-साथ अन्य ऐसे प्रतेक विल जो सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा अनुचित हो, के साथ उपस्थित होगा। नियांत की अनुमति देने से पूर्व, उपर्युक्त प्राधिकारी अन्य बातों के साथ-गाथ यह भी कार्रवाई करेगा।

(1) यह सन्तापन करने के लिए अवधिक जात्र करेगा कि उपर्युक्त प्रतेकों में नियांत के लिए प्रयेक मद में प्रयुक्त सोने का वजन और उसकी शुद्धता नियांतक की घोषणा के अनुसार है, और

(2) अपनी यह स्थाय को मन्तुष्ट करेगा कि नियांतक द्वारा घोषित नियांत मूल्य सीमा शुल्क प्राधिकारियों और विदेशी मूदा विनियमन अधिनियम के अनुसार है।

16 नियांत के लिए ऐसे पाय का गई मदों की भाने की मात्रा का वजन और उसकी शुद्धता का सत्यापन सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा, सगत पीले परिवहन विलों पर किया जाएगा। सीमा शुद्ध प्राधिकारी सम्बन्धित बीजक को भी माध्यांकित करेगा और प्रियांक का ऐसी ही दो प्रतियोगी दौटा देगा।

17 नियांतक, नियांत की रकम की विदेशी मूदा में बसूली होने के 15 दिनों के भीतर उसे नियांतित प्राप्त और विधि के साथ एक आवेदन पत्र उस लाइसेंस प्राधिकारी को रिहाई आदेश जारी करने के लिए भेजेगा जिस ने पीले परिवहन विल पृष्ठांकित किया है, और उसके साथ सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा साधारणत बीजक, सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा प्रामाणित पीले परिवहन विल और बैंक प्रमाण पत्र गम्बन्धित विदेशी मूदा की बसूली की माश्ती के लिए सलगत करेगा। प्रतेकों का ग-पायन करने के पाण्यात्, लाइसेंस प्राधिकारी यथा उपर्युक्त नियांतक मदों के शुद्ध सोने की मात्रा की प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के लिए नियांतक को रिहाई आवेदन जारी करेगा, यदि आवेदन पत्र अन्यथा रूप से मही पाय, गया।

18 इस योजना के अन्तर्गत जारी किया गया कोई भी रिहाई आदेश अहमतान्तरणीय होगा और प्रत्येक रिहाई आदेश उसकी जारी होने की स्थिति से 30 दिनों की अवधि के लिए बैध होगा।

19 रिहाई आदेश 0.999 सोने को शुद्धा और उस तारीख को लागू जिसको लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा सात पीत परिवहन विल पृष्ठांकित किया गया था प्रतिमूल्य मूल्य पर मूल्य का निष्पत्त करने के लिए प्रभित्वक किया जाएगा। प्रत्येक रिहाई आदेश के मामने में मात्रा और मूल्य बीनों ही सीमाकारी गुणक होंगे।

20 रिहाई आदेश में दो जाने वाली शुद्ध सोने की मात्रा की गणना करने के प्रयोजनार्थ लाइसेंस प्राधिकारी उस मीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा प्रामाणित जिसने नियांत अनुमित किया है, नियांतिन मदों को सोने की मात्रा के वजन से निम्नलिखित द्वारा इनमें जो भी उपर्युक्त हो गुण करेगा।

1 यदि घोषणा कैरट में है तो उसका कार्टेज 24 से विभाजित किया जाए।

2 यदि घोषणा उल्कर्वता में ही है तो उसको उल्कर्वता। किसी भी अति के लिए कोई फूट नहीं दी जाएगी और इस तरह गणना किए हुए शुद्ध सोने के आकारे आम के दमवे भाग के आम-पाम रखे जाएंगे।

21 लाइसेंस प्राधिकारी रिहाई आदेश को एक प्रति भारतीय स्टेट बैंक के उस नामजद कार्यालय को पृष्ठांकित करेगा जो उसके थेट्रिविकार में स्थित है और योजना के अन्तर्गत सोना बेचने के लिए प्राविकृत है।

22 भारतीय स्टेट बैंक का उपर्युक्त नामजद कार्यालय रिहाई आवेदन के धारक को उस प्रधिमूल्य कीमत पर सोना बेचेगा जो उसकी दिकों की नामीख को लागू है। जहाँ 0.999 से कम शुद्धता वाला सोना बेचा जाता है वहाँ भारतीय स्टेट बैंक आवश्यक मात्रिक समाजन करने के लिए प्राधिकृत है, किन्तु वह सम्बन्धित रिहाई आदेश को मूल्य सीमा के भीतर होगा। वह सोने को केवल 10 ग्राम के गुणांष्टों में बेचेगा। रिहाई आवेदन के मुद्रे या उसी नियांतक द्वारा और भारतीय स्टेट बैंक के उपनामजद कार्यालय का उसी नियांतक द्वारा और भारतीय आवेदन के दम्भे के मध्ये अनापूर्त ऐसे बच्चा द्वारा कोई भी सन्तुलन रिहाई आदेश के धारक को उसकी आगामी हकदारियों के साथ उपलब्ध होगा। इन बारे में भारतीय स्टेट बैंक उसको एक प्रमाण-पत्र प्रदान करेगा।

23 उल्कित भागान के मुद्रे पूर्वोक्त सोना खरीदने समय भारक द्वारा प्रत्येक रिहाई आदेश को भूल रूप में भारतीय स्टेट बैंक को बापम करना होगा।

24 स्वर्ण नियत्रण नियम की प्रोग्राम—इस योजना के अन्तर्गत भारतीय स्टेट बैंक से खरीदा गया सोना स्वर्ण नियत्रण नियम के मध्ये परन्तुको के प्रधीन होगा।

अनुबंध

लाइसेंस प्राधिकारी और उनके क्षेत्राधिकार

1 सम्पूर्ण मूल्य नियत्रक, आयान-महाराष्ट्र, गोवा, दमण और दिव्रि, नियांत, बम्बई।

2 सम्पूर्ण मूल्य नियत्रक, आयान-प० बंगल, उडीमा, असम चिह्नार, मिथिकम, मेवालय, मणिगुरु, नागालैण्ड, अरण्डान त्रिप्रेश, मिजोरम, किंगुरा और अन्तमान निकोबार द्वीप।

3. संयुक्त मूल्य नियंत्रक, आयात-समिलनारूप, केरल, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, संघ भासित क्षेत्र लक्ष्मीप, पारिष्वेत्री, केरीकल, माही और यमन।
4. संयुक्त मूल्य नियंत्रक, आयात-विली, राजस्थान, पश्चात, हरियाणा, नियंत्रि, (सी एल ए), नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और लक्ष्मीगढ़।

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 59 -ITC (PN) /78

New Delhi, the 17th August, 1978

Subject : Gold Jewellery Export Replenishment Scheme.

Details of the Gold Jewellery Export Replenishment Scheme are contained in the Appendix to this Public Notice.

2. Applications for export licences (by licensing endorsement on Shipping Bills) under this Scheme will be entertained by the concerned licensing authorities from the 21st August, 1978 onwards.

[File No. 4/12/78/EPC]

Appendix to Department of Commerce Public Notice No. 59-ITC(PN)/78 Dated, the 17th August, 1978.

Gold Jewellery Export Replenishment Scheme.

Scope of the scheme.—The items of ornaments allowed for export shall be limited to jewellery made of gold of purity not less than 0.5833 fineness and will not include studded jewellery. The minimum gold content would correspond to 14 Cts.

(It may be noted that exports of studded jewellery are already covered by import replenishment of select items, other than gold and silver, by a separate scheme, vide S. No. P. 4 of Appendix 17 to the Import Policy, 1978-79).

2. The scheme will be confined to the following categories of persons holding valid Dealer's Licence under the Gold Control law also :—

- Registered Exporters having valid Registration Certificates issued to them by the Gem & Jewellery Export Promotion Council;
- Co-operative Societies of certified goldsmiths; and
- Corporations owned or controlled by Government holding Export House Certificates issued by the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi.

3. Membership of the Gem & Jewellery Export Promotion Council will not be a pre-requisite condition for the category (ii) above to participate in the scheme to begin with, but they should join the Council within a period of 3 months from the date of first export.

4. The Gem & Jewellery Export Promotion Council will keep the particulars of the identification marks, if any, of its members under the Hall Marking Scheme of the Indian Standards Institution. But it would not be obligatory on the part of its members to follow the Hall Marking Scheme until further orders.

5. The scheme provides, for the replenishment of pure gold to the extent of the quantity/value admissible thereunder against exports made in accordance with it. Government will notify separately, from time to time, the places and price at which the gold will be sold to the Release Order-holders. Such replenishment will be arranged through the State Bank of India.

6. The scheme will be limited to exports effected against such orders as are backed by either an irrevocable Letter of Credit or payment on cash-on-delivery basis. The documents

should be negotiated through authorised exchange dealers only. Each export order should, besides other particulars, specify clearly the following :—

- the description of the item(s) contracted for;
- the weight of each item;
- the purity of gold to be used for making each item; and
- the value thereof.

It should relate to a single buyer overseas although it may cover more than one item of export.

7. A minimum value added of 33½ per cent over the value of the pure gold content will be insisted upon in respect of the exports made under the scheme and for the purpose of replenishment of gold. The added value will be calculated by relating the value of the pure gold content in the jewellery exported, at the price notified under Para 5 above, as ruling on the date on which the relevant Shipping Bill is endorsed by the licensing authority under Para 13 below, to the f. o. b. price of the items to be exported. For example, if the f. o. b. price is Rs. 100, the value of pure gold should be Rs. 75 or less.

8. The entitlement to replenishment of gold shall arise only after realisation, in foreign exchange, of the export proceeds through an authorised exchange dealer.

9. Exports under the scheme, shall be allowed only by Air freight and through the Customs House at Bombay/Calcutta/Madras/Delhi.

10. Exports made under the scheme will not be eligible to any other incentive.

11. Mode of Exports and its control.—Eligible exporters should apply for endorsement on the Shipping Bill, in the prescribed form, and to the concerned licensing authority as per the Annexure hereto. The application should be supported by a certified copy of the export order referred to in Para 6 above. Where the price contracted for is on c. i. f. basis, the applicant shall also declare the estimated f. o. b. value thereof in the application for the export. (For the purpose of replenishment of gold, only the f. o. b. value will be taken into consideration).

12. The Shipping Bill should, inter-alia, contain the exporter's declaration about the weight and the purity of gold used in each item to be exported, and the value of the items to be exported. An extra copy of the Shipping Bill should also be furnished.

13. The licensing authority will, after satisfying itself about the minimum value added as set down in Para 7 above make an endorsement on the Shipping Bill to permit export, if the application is otherwise in order.

14. Each Shipping Bill, as endorsed, will be valid for exports made only through the Customs House located at the place where the licensing office which made the endorsement is situated, and for a period of seven days from the date of the endorsement, excluding, however, that date.

(In the event of the exporter being unable to effect the exports during the period of the said validity, he may apply afresh; no request for extension of validity will be entertained under the scheme).

15. At the time of export, the exporter shall present to the concerned Customs authority, along with the Shipping Bill, three copies of the connected invoice as well as such other documentation as may be required by the Customs. Before allowing the export, the said authority will inter-alia

- do the necessary checks to verify that the weight and the purity of gold used in each item for export are as per the exporter's declaration in the said documents; and
- satisfy itself that the export declared by the exporter is in accordance with the Customs Act and the Foreign Exchange Regulations Act.

16. The weight and the purity of the gold content of the items so passed for export will be verified by the Customs authority, on the relevant Shipping Bills. The Customs authority will also attest the connected invoice and return two such copies to the exporter.

17. The exporter shall, within fifteen days from the date of a realisation, in foreign exchange, of the export proceeds, submit to the same licensing authority as that which endorsed the Shipping Bill, an application, in the prescribed form and manner, for the issue of a Release Order, and attach thereto the Customs attested invoice, the Customs authenticated Shipping Bill and the Bank Certificate, in original, evidencing the realisation of the connected foreign exchange. The Licensing authority will, after verifying the documents, issue a Release Order so as to enable the exporter to secure the replenishment of the pure gold-content of the items exported as above, if the application is otherwise in order.

18. No Release Order issued under the scheme shall be transferable and each Release Order will be valid for a period of 30 days from the date of its issue.

19. The Release Order will be expressed in terms of gold of 0.999 fineness and for a value determined at the notified price as ruling on the date on which the relevant Shipping Bill was endorsed by the licensing authority. Both quantity and value shall be limiting factors in the case of each Release Order.

20. For the purpose of calculating the quantity of pure gold to be set down in the Release Order, the Licensing authority will multiply the weight of the gold content of the exported items, as certified by the Customs authority which allowed the export, by the following whichever is appropriate :—

(i) their caratage divided by 24, if the declaration is in carats; or

(ii) their fineness, if the declaration is in fineness.

No allowance will be made for any wastage and the figure of pure gold so calculated will be rounded to the nearest tenth of a Gramme.

21. The Licensing authority will endorse a copy of the Release Order to the designated office of the State Bank of India located within the area of its own jurisdiction, that is authorised to sell gold under the scheme.

22. The said designated office of the State Bank of India will sell the gold to the Release Order-holder at the notified price as ruling on the date of its sale. Where gold of purity less than 0.999 is sold, the State Bank of India will be entitled to make necessary quantitative adjustment, but within the value limit of the connected Release Order. It will sell the gold in multiples of 10 Grammes only. Any balance so left unserviced against a Release Order—or a group of Release Orders presented by the same exporter, on the same date and to the same designated office of the State Bank of India—shall be available to the Release Order-holder alongwith his future entitlement; the State Bank of India will grant him a certificate to the effect.

23. Every Release Order shall be surrendered by the holder, in original to the State Bank of India at the time of the purchase of the gold as above, against proper acquittance.

24. Applicability of the Gold Control Law—Gold brought from the State Bank of India under the scheme shall be subject to all the provisions of the Gold Control Law.

ANNEXURE

Licensing authorities and their jurisdiction

- Jt. CCI&E, Bombay : Maharashtra, Goa, Daman & Diu, Dadra and Nagar Haveli, Gujarat, Madhya Pradesh.
- Jt. CC&E Calcutta : West Bengal, Orissa, Assam, Bihar, Sikkim, Meghalaya, Manipur, Nagaland, Arunachal Pradesh, Mizoram, Tripura and Andaman Nicobar Islands.

3. Jt. CCI&E, Madras : Tamil Nadu, Kerala, Karnataka, Andhra Pradesh, Union Territory of Lakshadweep, Pondicherry, Karaikal, Mahe and Yaman.

4. Jt. CCI&E (CLA), New Delhi : Delhi, Rajasthan, Punjab, Harayana, Uttar Pradesh, Jammu & Kashmir, Himachal Pradesh and Chandigarh.

सार्वजनिक सूचना सं 60 आईडीसी (पीएम)/(78)

विषय :—1978-79 के लिए भायात भीति—सोमे का भायात। वाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सूचना सं 59-आईडीसी(पीएम)/78, दिनांक 17 अगस्त, 1978 के अन्तर्गत प्रकाशित स्वीकारभूषण निर्धात प्रतिपूर्ति योजना के उद्देश्यों के लिए सोमे के भायात को भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से सर्वानुबंध करने का निश्चय किया गया है।

2. तदनुसार, 1978-79 की भायात नीति में निम्नलिखित परिवर्तन किए जाएंगे :—

क्रम 1978-79 के लिए भायात	संदर्भ	संशोधन
सं 59 भीति की पृष्ठ सं 60		

1	2	3	4
1.	74	परिस्थित-8	बर्तमान प्रविष्टि सं 66 के बाद निम्न-सिवित अतिरिक्त प्रविष्टि की जाएगी : “भारतीय स्टेट बैंक 67. सोमा”

[मिसिल सं 4/12/78/ई पी सी]

Public Notice No. 60-ITC(PN)/78

Subject : Import Policy, 1978-79-Import of Gold.

It has been decided to canalise import of gold through the State Bank of India for the purpose of the Gold Jewellery Export Replenishment Scheme, published under the Department of Commerce Public Notice No. 59 ITC(PN)/78, dated the 17th August, 1978.

2. The following changes shall accordingly be made in the Import Policy, 1978-79 :—

Sl. No.	Import Policy 1978-79.	Reference	Amendments		
		1	2	3	4
1.	74	Appendix 8	The following additional entry shall be made after the existing entry No. 66 :— “State Bank of India” 67. Gold.”		

[File No. 4/12/78/EPC]

सार्वजनिक सूचना संख्या-61-आईडीसी(पीएम)/78

विषय :—डोडेसिल बैंगीन/सिनियर ऐलक्रिल बैंगीन का भायात।

वाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सूचना संख्या 58 आईडीसी(पीएम)/78 दिनांक 3 अगस्त, 1978 की ओर घ्यात विलाया जाता है, जिसके अनुसार वे भारतीय उपयोगिता जो 31 दिसम्बर, 1978 तक

भारतीय पत्रनों पर पक्की सुपुर्वी के साथ डोडेसिल बैजीन/लिनियर ऐल्किल बैजीन के संभरण के लिए विवेशी संभरकों के साथ पक्की संविदा का साक्ष्य प्रस्तुत करने में समर्थ है, उन्हें अपने नाम में निकासी प्राप्त करने के लिए सरणीबद्ध अधिकारण (भारतीय राज्य रसायन एवं फार्मास्युटिकल निगम) से 14 अगस्त, 1978 को या उससे पूर्व सम्पर्क स्थापित करना या जिससे कि वे सामग्री के सीधे आयात के लिए राम्बद्ध क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी को प्रावेदन पत्र प्रस्तुत कर सकें।

2. इस सम्बन्ध में किए गए अध्यावेदन के आधार पर यह निश्चय किया गया है कि 14 अगस्त, 1978 की उक्त तिथि को 31 अगस्त, 1978 तक बढ़ा दिया जाए। अन्य सभी नियम एवं शर्तें अपरिवर्तनीय रहेंगी।

[मितिल संलग्न-प्राईवीसी/65/5/78-79]

का० ब० शेषाद्रि, मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण

Public Notice No. 61—ITC(PN)/78

Subject: Import of Dodecyl Benzene/Linear Alkyl Benzene.

Attention is invited to Para 3 of the Department of Commerce, Public Notice No. 58-ITC(PN)/78, dated the 3rd August, 1978, according to which Actual Users who are able to produce evidence of firm contract with overseas suppliers for the supply of dodecyl benzene/linear alkyl benzene with firm delivery at Indian Ports by the 31st December, 1978 were to approach the canalising agency (State Chemicals and Pharmaceuticals Corporation of India) on or before August 14, 1978 for obtaining clearances in their favour, so as to enable them to submit applications to the concerned regional licensing authorities for direct import of the materials.

2. On the basis of representations made in this regard it has been decided to extend the said date from August 14, 1978 to August 31, 1978. All other terms and conditions shall remain unchanged.

[File No. IPC/65/5/78-79]

K. V. SESHADRI,
CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS